









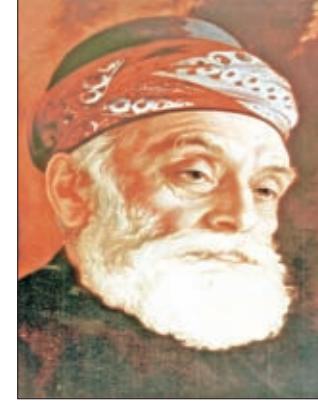




## समस्या बनती खाद

य

ह तथ्य निविवाद है कि खेती में अत्यधिक उर्वरकों का उपयोग एक जटिल समस्या बनता जा रहा है। दरअसल, आम किसानों को ठोस जानने नहीं मिल पाती कि इकाक किसने उपयोग अधिक फसल लेने व भूमि की उर्वरा बढ़ाने के लिये बड़ी मात्रा में युरिया का उपयोग करते हैं। खासकर नई उच्च नाइट्रोजन वाली गेहूँ की किसों के लिये वहाँ एपोके वाली सोडियम, फॉस्फोरस व पोटेशियम उर्वरक की खपत में वृद्धि ने युरिया पर निर्भरता को और अधिक बढ़ा दिया है। जिससे मिट्टी का क्षरण, कीट जोखिम बढ़ने के साथ ही भूजल प्रदूषण में तेजी से वृद्धि हो रही है। निविवाद रूप से रासायनिक उर्वरकों की अंधाधृत उपयोग न केवल मिट्टी के स्वास्थ्य पर प्रतीकूल असर डाल रहा है बल्कि कृषि भूमि की दौड़ीकान उत्पादता को भी कम कर रहा है। उर्वरकों की खपत में वृद्धि ने युरिया पर निर्भरता को और अधिक बढ़ा दिया है। जिससे मिट्टी का क्षरण, कीट जोखिम बढ़ने के साथ ही भूजल प्रदूषण में तेजी से वृद्धि हो रही है। निविवाद रूप से रासायनिक उर्वरकों की अंधाधृत उपयोग न केवल मिट्टी के स्वास्थ्य पर प्रतीकूल असर डाल रही है। उर्वरकों के आयत पर देश की आर्थिक पर प्रतीकूल असर डाल रही है। उर्वरकों के आयत पर देश की वैशिक कीमतों ने उर्वरक सम्पत्ति को 1.75 ट्रिलियन रुपये से अधिक कर दिया है। यदि इस स्थिति पर समय रहते नियंत्रण नहीं किया गया तो बढ़ती उर्वरक मांग अर्थव्यवस्था पर भारी दबाव डालेगी। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि सरकार उर्वरक की बढ़ीकों की नियन्त्रण को सशक्त बनाए। सम्पिटी वाली रासायनिक खाद का दुरुपयोग करने वालों के लिये सख्त दंड की व्यवस्था लागू करने की ज़रूरत है। इसके अलावा किसानों को भी यारिस्कर करने की ज़रूरत है कि खेती में खाद का उपयोग कैसे संतुष्ट होगा से किया जाना चाहिए। अधिक खाद के अन्य नुकसान पर बहस जारी है। सकरात्मक दिशा देना आवश्यक है।

जमशेदजी नसरवानजी टाटा  
(1839 - 1904)

## कार्टून वर्ल्ड

## - EARTH OVERSHOOT DAY -

आज का  
राशिफल

**मेष :** व्यवाधिक्य का अवसर आ सकता है। लाभदायक कारों की चौथां प्रबल होगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। एक छह महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ होंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। एक छह ताप्त आज प्राप्त हो सकता है। धार्यांक स्थानों की व्यापार का योग।

**वृष :** सुख की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह होगा। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। यात्रा का योग है। पारिवारिक परेशानी ढूँढ़ी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षेत्र भूमि दिन-भर होगा।

**मिथुन :** प्रसन्नता के साथ सधी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ समाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मार्गलिंग कार्य सम्पन्न होंगे।

**कर्क :** शुभ्र, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यव के कारण बनें। व्यापार में स्थिति नरम होंगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यव होगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे।

**सिंह :** शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। परिश्रम लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा।

**कन्या :** परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में एक प्रकार का प्रयास जीवन दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टा ठीक नहीं। खान-पान में सावधानी रखें। स्वास्थ्य लाभ में व्यव होगा।

**तुला :** स्वास्थ्य उत्तम होगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिलता जाएगा।

**वृश्चिक :** लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्यांक मार्ग से कार्य में समय और धन व्यव होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम होगा। व्यापार में स्थिति नरम होगी। शुभ्र, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यव के कारण बनें। संतोष रखने से सफलता मिलेगी।

**धनु :** सुख आरोग्य प्रभावित होगा। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहा है। विसी सूचना से पूर्ण नियन्य सम्पन्न होंगे।

**मकर :** स्वविवेक की स्थिति समान रहेगी। किसी से कहा सुनी न हो यह ध्यान रहें। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। पूजा-पाठ आदि धार्मिक कार्य संपन्न होंगे।

**कुम्भ :** प्रियजनों से समाज का अवसर मिलेगा। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। धर्म-कर्म में रुचि जागत होगी।

**मीन :** श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। अपने हैतीसी समझौते जाने वाले ही पीठ पैदा होने का उपरान्त करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है।

**अनुत्तर कौशिक, रांची** - अनित कौशिक, रांची के जीवन विवर की व्यापार व व्यवसाय के लिए बड़े देश-विदेश के श्रद्धालुओं ने सनातनी परंपरा को जीवन विवर किया। प्रदाताओं को कुछ पूर्ण पर एकत्रित होना चाहिए। अपने व्यापारी योजनाओं में बढ़ावा देना चाहिए। डॉकरों को जीनेरिक दवाइयों का व्यापार के लिए बढ़ावा देना चाहिए। जिससे गरीबों को राहत मिले। - श्यामलाल सिंह, गढ़वा

**लेटर टू एडिटर**

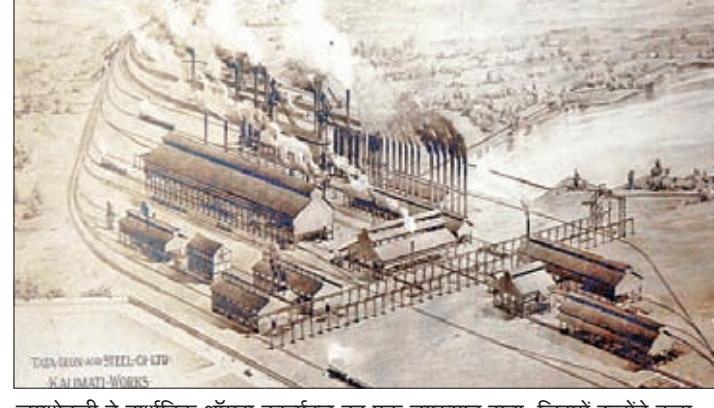
## आशातीत सफलता

प्रयागराज महाकुंभ के आशातीत सफल समाप्त पर विचार प्रकट करने वाला था। महाकुंभ में संगम में लाभग 66 करोड़ देश-विदेश के श्रद्धालुओं ने सनातनी परंपरा को जीवन विवर किया। प्रदाताओं को कुछ पूर्ण पर एकत्रित होना चाहिए। अपने व्यापारी योजनाओं में बढ़ावा देना चाहिए। अनित कौशिक, रांची

**जीनेरिक दवाइयों को बढ़ावा**

ब्रॉडेंड दवाइयों महंगी होती है, जिससे हर साल लाखों लोग गरीबी रेखा के नीचे जाते जाते हैं। जीनेरिक दवाइयों, जो उसी साल से बनती हैं, 10 से 20 युन तक सर्टीटों हो जाएंगी, और इन्हें सरकारी योजनाओं में बढ़ावा देना चाहिए। डॉकरों को जीनेरिक दवाइयों का व्यापार के लिए बढ़ावा देना चाहिए। जिससे गरीबों को राहत मिले। - श्यामलाल सिंह, गढ़वा

## एक महामानव जिसने भारतीय उद्योग को एक नयी दिशा दी

जमशेदजी नसरवानजी टाटा  
(1839 - 1904)

समाप्त होते ही अमेरिकी कपास की आपूर्ति पर से शुरू हो गई, जिससे बाजार में अचानक गिरावट आ गई। आम आर्थिक संकट के कारण जमशेदजी के बीच बाजार में किए गए निवेश बेकार हो गए। इसके बावजूद, उन्होंने पूरी जिम्मेदारी ली, ऋणदाताओं और बैंकरों को स्थिति स्पष्ट रूप से समझाई, और उनकी इमानदारी और नैतिकता को देखते हुए उन्हें फर्म का लिविंगटोर किया गया।

**वस्त्र उद्योग में कदम :** 1867 में, मैनेजरों की बातों के दौरान, जमशेदजी ने दार्शनिक थॉमस कालाइल का एक व्याख्यान सुना, जिसमें उन्होंने कहा, जो राष्ट्र लोहे पर नियन्त्रण कर लेता है, वह शीघ्र ही सोने पर भी नियन्त्रण पा लेता है। इस विचार ने जमशेदजी को गहराई से प्रभावित किया और आगे चलकर भारत में इस्पात उद्योग की स्थापना के उनके दृष्टिकोण की आधारशिला बनी। जमशेदजी ने गहराई से प्रभावित किया और आगे चलकर भारत के आयत पर देश की वैशिक खादी वैशिक कीमतों ने उत्तरवाही की ज़रूरत तोड़ रही है। इसके अलावा किसानों को भी यारिस्कर करने की ज़रूरत है। इसके अलावा किसानों को भी यारिस्कर करने की ज़रूरत है। जमशेदजी को गहराई से प्रभावित किया और आगे चलकर भारत के आयत पर देश की वैशिक खादी वैशिक कीमतों ने उत्तरवाही की ज़रूरत तोड़ रही है। इसके अलावा किसानों को भी यारिस्कर करने की ज़रूरत है। जमशेदजी को गहराई से प्रभावित किया और आगे चलकर भारत के आयत पर देश की वैशिक खादी वैशिक कीमतों ने उत्तरवाही की ज़रूरत तोड़ रही है। इसके अलावा किसानों को भी यारिस्कर करने की ज़रूरत है। जमशेदजी को गहराई से प्रभावित किया और आगे चलकर भारत के आयत पर देश की वैशिक खादी वैशिक कीमतों ने उत्तरवाही की ज़रूरत तोड़ रही ह











